JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

35

I5FV0DE

संकलित परीक्षा - I (2016-17)

हिन्दी 'अ' CPS

कक्षा -X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

"साहित्य के विकास के लिए भाषा का स्तरीकरण उपयोगी होता है। किसी ज़माने में यह काम आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किया था। उनके प्रयत्नों से हिंदी खड़ी बोली की प्रकृति के अनुकूल बनी और उसका स्तरीकरण हुआ जिससे भाषा-प्रयोगों में एकरूपता आई। साहित्यिक दृष्टि से भाषा की यह एकरूपता बहुत उपयोगी है, पर इससे भाषा की व्यापकता और उसके लचीलेपन में कमी आती है। लेखकों का कौशल इसी बात में है कि वे भाषा के साहित्यिक रूप की रक्षा करें और साथ में उसकी अर्थव्यंजना की क्षमता का विस्तार भी करें। इसके लिए भाषा का लचीलापन अपेक्षित है। इसी आवश्यकता को सामने रखते हुए भारत की प्रादेशिक भाषाओं के प्रचलित शब्दों को हिंदी में जगह देने की वकालत किया जाना उचित प्रतीत होता है। इससे भाषायी एकता सुदृढ़ होगी तथा भाषायी समन्वय से राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने में मदद मिल सकेगी। साथ ही भाषागत संकीर्णता का भाव भी विनष्ट और क्षीण होगा।

(i) गद्यांश के अनुसार लेखकों की कुशलता का प्रतीक होती है, उनके लेखन की —

(क) भाषागत विविधता की रचना।

(ख) भाषायी सुबोधता को बनाए रखने की प्रवृत्ति।

(ग) अर्थ व्यंजकता व भाषा के साहित्यिक रूप की रक्षा।

(घ) भाषायी व्यापकता और व्यंजकता।

(ii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किया था, भाषा का —

(क) स्तरीकरण (ख) परिष्कार

(ग) संस्कार (घ) सुधार

(iii) प्रादेशिक भाषाओं के शब्दों को हिंदी में स्थान देने का परिणाम यह होगा कि,-

(क) भाषा खिचड़ी भाषा बन जाएगी।

(ख) भाषा का स्तर गिर जाएगा।

(ग) भाषायी और राष्ट्रीय एकता मज़बूत होगी।

(घ) भाषागत भेदभाव पूर्णत: मिट जाएगा।

(iv) 'भाषायी संकीणता का भाव तब क्षीण और विनष्ट हो सकता है जब हम, हिंदी के साथ —

(क) संस्कृत पढ़ेंगे।
(ख) तेलुगु का भी अध्ययन करेंगे।
(ग) प्रादेशिक भाषाओं की शब्दावली भी अपनाएँगे।
(घ) अंग्रेज़ी भाषा का बहिष्कार करेंगे।

(v) 'विनष्ट' शब्द है —
(क) तत्सम (ख) तद्भव
(ग) देशज (घ) आगत

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

अनुशासन का अर्थ है अपने को कुछ नियमों में बाँध लेना और उन्हीं के अनुसार कार्य करना। कुछ व्यक्ति अनुशासन की व्याख्या 'शासन का अनुगमन' करने के अर्थ में करते हैं, परंतु यह अनुशासन का संकुचित अर्थ है। व्यापक रूप में अनुशासन सुव्यवस्थित ढंग से उन आधारभूत नियमों का पालन ही है, जिनके द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के मार्ग में बाधक बने बिना व्यक्ति अपना पूर्ण विकास कर सके।

अनुशासन में रहने का भी एक आनंद है, लेकिन आज व्यक्तियों में अनुशासनहीनता की भावना बढ़ रही है। समाचार-पत्रों में हमेशा यही पढ़ने को मिलता है कि आज अमुक नगर में दस दुकानें लूटी गईं, बसों में आग लगा दी गई, दो गिरोहों में लाठियाँ चल गईं; आदि। ये बातें आए दिन पढ़ने को मिलती हैं। यदि किसी भी कर्मचारी को कोई गलत काम करने से रोका जाए तो वह अपने साथियों से मिलकर काम बंद करा देगा। बहुत दिनों तक हड़तालें चलती रहेंगी। कारखानों और कार्यालयों में काम बंद हो जाएँगे।

(i) अपने को नियमानुकूल बना लेना तथा उनके अनुसार कार्य करना है —
(क) नियमितता (ख) स्वच्छंदता
(ग) अनुशासन (घ) अनुगमन

(ii) अनुशासन का संकुचित अर्थ होता है —
(क) शासनाधीन होना। (ख) स्वतंत्र होना।
(ग) बंधन में रहना। (घ) शासन को मानना।

(iii) किसी अन्य व्यक्ति के मार्ग में बाधक बने बिना नियमानुकूल तरीके से अपना विकास करना ही है —
(क) नियमानुकूलता (ख) अनुशासित रहना
(ग) बाधकता (घ) बाधाविहीनता

(iv) गद्यांश के अनुसार अनुशासनहीनता के बड़े उदाहरणों में से प्रमुख है —
(क) साथी के साथ झगड़ा करना।
(ख) समय से विद्यालय न जाना।
(ग) माँ-बाप की आज्ञा न मानना।
(घ) तोड़फोड़ कर राष्ट्रीय संपत्ति को हानि पहुँचाना।

(v) राष्ट्रोन्नति के लिए अनिवार्य है कि हम —
(क) समय से काम करें। (ख) चोरी न करें।
(ग) अनुशासित रहें। (घ) मिलजुल कर रहें।

3 **निम्नलिखित पद्यांश पढ़ें तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखें :** 5

हँस लो दो क्षण खुशी मिली पर
वरना जीवन-भर क्रंदन है।
किसका जीवन हँसी-खुशी में
इस दुनिया में रहकर बीता?
सदा-सर्वदा संघर्षों को
इस दुनिया में किसने जीता?
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता-रोता चमन-चमन है।
कितने रोज़ चमकते तारे
कितने रह-रह गिर जाते हैं
हँसता शशि भी छिप जाता है
जब सावन घन घिर आते हैं।
उगता-ढलता रहता सूरज
जिसका साक्षी नील गगन है।
आसमान को छूने वाली,
वे ऊँची-ऊँची मीनारें।
मिट्टी में मिल जाती हैं वे
छिन जाते हैं, सभी सहारे।
दूर तलक धरती की गाथा
मौन मुखर कहता कण-कण है।
यदि तुमको मुस्कान मिली तो
मुस्काओ सबके संग जाकर।
यदि तुमको सामर्थ्य मिला तो
थामो सबको हाथ बढ़ाकर
झाँको अपने मन-दर्पण में
प्रतिबिंबित सबका आनन है।
हँस लो दो क्षण खुशी मिली पर
वरना जीवन-भर क्रंदन है।

(i) कवि के अनुसार जीवन में किसकी अधिकता है?
(क) आनन्द की (ख) सुख-सुविधाओं की
(ग) दुःख व कष्टों की (घ) शांति की

(ii) ऊँची-ऊँची इमारतें मिट्टी में मिलकर संकेत करती है -
(क) उन्नति पर घमण्ड करना व्यर्थ है (ख) सुख-दुख आते-जाते हैं
(ग) नष्ट होना सत्य है (घ) निर्माण में विनाश छिपा है

(iii) सामर्थ्य की सार्थकता सिद्ध होती है-
(क) अभिमान करने में (ख) जीवन-जीने में

JSUNIL TUTORIAL

(ग) सबको सहारा देने में (घ) स्वयं का उद्धार करने में

(iv) प्रतिबिंबित शब्द मूल शब्द और प्रत्यय के योग से बना है, दोनों का सही क्रम है-

(क) प्रतिबिंबि+इत (ख) प्रति+बिंबित

(ग) प्रतिबिम्+बित (घ) इनमे से कोई नहीं

(v) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए-

(क) खिलता फूल (ख) रोता चमन

(ग) व्यर्थ न गँवाएँ खुशियों के क्षण (घ) मुस्कान

4 **निम्नलिखित पद्यांश पढ़ें तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखें :** 5

कहा दासी ने धीरज त्याग-
"लगे इस मेरे मुँह में आग।
मुझे क्या, मैं होती हूँ कौन?
नहीं रहती हुँ फिर क्यों मौन?
देखकर किंतु स्वामि-हित-घात,
निकल ही जाती है कुछ बात।
इधर भोली हैं जैसी आप,
समझती सबको वैसी आप!
नहीं तो यह सीधा षड्यंत्र
रचा क्यों जाता यहाँ स्वतंत्र?
महारानी कौसल्या आज,
सहज सज लेतीं क्या सब साज?
कहा रानी ने - "क्या षड्यंत्र
वचन है तेरे मायिक मंत्र
हुई जाती हूँ में उद्भ्रांत,
खोलकर कह तू सब वृत्तांत।"
मंथरा ने फिर ठोका भाल-
"शेष है अब भी क्या कुछ हाल?
सरलता भी ऐसी है व्यर्थ,
समझ जो सके न अर्थानर्थ।
भरत को करके घर से त्याज्य,
राम को देते हैं नृप राज्य।
भरत-से सुत पर भी संदेह,
बुलाया तक न उन्हें जो गेह!"

(i) दासी किसे कहा गया है?

(क) कुब्जा को (ख) मंथरा को

(ग) पन्नाधाय को (घ) रामेश्वरी को

(ii) भोली किसके लिए कहा गया है?

(क) सुमित्र (ख) कौशल्या
(ग) कैकयी (घ) सरस्वती को

(iii) कैकयी को कौन समझाना चाहती है?
(क) कौशल्या (ख) मंथरा
(ग) सुमित्रा (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) अर्थानर्थ का संधि-विच्छेद है।
(क) अथ+नर्थ (ख) अर्थ+अनर्थ
(ग) अथ:+अर्थ (घ) अ:+अनर्थ

(v) काव्यांश में शैली कौन सी है?
(क) प्रश्नात्मक शैली (ख) संवादात्मक शैली
(ग) वर्णनात्मक शैली (घ) व्याख्यात्मक शैली

खण्ड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निम्नलिखित वाक्यों के रचना के आधार पर भेद लिखिए -** 3
(क) जब आपने मुझे देखा था तब मैं घर से चला आ रहा था।
(ख) जयकरण मेरे पास आया तथा व्यर्थ की बातें बनाने लगा।
(ग) श्याम ने घर से लौटते हुए मुझे अपनी गाड़ी में बिठा लिया था।

6 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** 4
(क) चपरासी द्वारा घण्टी बजाई गयी। (कर्तृ वाच्य में बदलिए।)
(ख) कुमुद आकर चली गयी। (वाच्य पहचानिए।)
(ग) पण्डित जी कथा सुनायेंगे। (कर्म वाच्य में बदलिए।)
(घ) कर्तृ वाच्य का एक उदाहरण लिखिए।

7 **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।** 4
(क) वे अपने देश पर मर मिटे।
(ख) वीर लोग देश पर प्राण न्योछावर कर देते हैं।
(ग) तुम अपने परिवार की मर्यादा बनाए रखो।
(घ) सुधा अपनी माता जी को पत्र लिखती है।

8 **निम्न प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:** 4
(क) वीर रस का स्थायीभाव लिखिए।
(ख) 'अब लौ नसानी अब न नसैहौ' पंक्ति में रस बताइये।
(ग) 'विकट रूप धरि लंक जरावा' में किस रस का प्रयोग हुआ है?
(घ) 'विभाव कितने प्रकार का होता है? नाम लिखिए।

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक)

9 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)** 5

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन

एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभो कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी। यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

(क) गद्यांश में वर्णित कस्बे की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) कस्बे में नेताजी की प्रतिमा किसने और कहाँ लगवाई थी?

(ग) हालदार साहब उस कस्बे से कितने दिनों के अंतराल से गुजरा करते थे और क्यों?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

10a बाल गोविन्द भगत किस भावना से प्रेरित होकर गाते थे, अपनी कल्पना के आधार पर लिखिए। 2

10b क्या आप नवाब साहब को लेखक की तुलना में अधिक शिष्ट और सामाजिक प्रकृति का व्यक्ति मानते हैं अपने विचार प्रकट कीजिए। 2

10c फादर कामिल बुल्के - संन्यासी होते हुए भी अति आत्मीय पारिवारिक सदस्य की तरह व्यवहार करते थे। पठित पाठ के आधार पर इस कथन की सार्थकता पर अपने विचार प्रमाण सहित प्रगट कीजिए। 2

10d "नेताजी का चश्मा" पाठ के आधार पर हालदार साहब के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन्होंने आपको प्रभावित किया है। 2

10e लेखक तथा फादर की घनिष्ठता का परिचय कराने वाली घटनाओं का उल्लेख कीजिए। 2

11 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :(2+2+1)** 5

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरूण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?

(1) कवि ने अपनी प्रेमिका की सुंदरता का चित्रण किस प्रकार किया है?

(2) कवि ने स्वयं की तुलना किससे की है?

(3) इस काव्यांश में कवि ने किस सुख की बात की है?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

12a "बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव' दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद" पंक्ति में कवि देव ने किसका वर्णन किया है? इस पंक्ति का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 2

12b 'आत्मकथ्य कविता में "अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की" पंक्ति का भाव स्पष्ट करके लिखिए कि इन शब्दों में कवि-मन के किन भावों की झलक मिलती है? 2

12c फसल को "हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा" कहकर व्यक्त किया है। कवि का विचार स्पष्ट करो। 2

12d "अट नहीं रही है" कविता के आधार पर लिखिए कि कवि की आँख हटाने पर भी क्यों नहीं हट रही है? 2

12e सूरदास के पदों में जो कथानक निहित है वह किस प्रसंग पर आधारित है? बताइए इन पदों में किस भाव की प्रधानता है? 2

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

13 "माता का अँचल" पाठ में उल्लिखित बैजू की शरारत संबंधी प्रसंगों में आप क्या किया जाना उचित समझते हैं? क्यों? 5

खण्ड-घ (लेखन)

दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

14 संयुक्त परिवार की महत्ता 10

- भूमिका
- संयुक्त परिवार का स्वरूप
- आवश्यकता-रिश्तों की पहचान
- मानवता की पाठशाला संयुक्त परिवार
- उपसंहार

अथवा

'स्वर्ग से भी बढ़कर मेरी माँ और मातृभूमि' 10

- भूमिका
- मातृभूमि और माँ की समानता
- दोनों के प्रति कर्त्तव्य
- सेवाभाव के विविध प्रकार
- उपसंहार

अथवा

'ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन' 10

- भूमिका
- ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ व स्वरूप
- हानियाँ और खतरे
- बचाव के उपाय
- उपसंहार

15 लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों द्वारा सड़क को चौड़ी करने के बहाने अनेक वृक्ष काट डाले गए हैं। इनमें से ज्यादातर अनावश्यक ही काटे गए प्रतीत होते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को पत्र लिखिए। 5

16 निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और लगभग एक तिहाई शब्दों में उसका सार लिखिए। 5

यदि मैं प्रधानाचार्य होता तो वर्ष में दो- चार दिन के लिए तो मैं अध्यापक और विद्यार्थियों को विद्यालय का प्रधानाचार्य बना देता। इन दिनों विद्यार्थी ही विद्यालय का सारा कार्य चलाते। इस प्रकार उत्तरदायित्व निभाते-निभाते विद्यार्थी स्वयं को विद्यालय का अंग मानने लगते। मेरा विश्वास है कि इस प्रकार मैं अनुशासनहीनता पर बड़ी आसानी से विजय प्राप्त कर लेता।

मैं स्वयं फूलों और फुलवारी का शौकीन हूँ, अतः मैं सुन्दर फुलवारी लगवाता। मैं स्वयं खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का पक्षपाती हूँ। अतः मैं यथासम्भव शिक्षा को व्यावहारिक और मनोरंजक बनाता। यदि मैं प्रधानाचार्य बन जाता तो निश्चयपूर्वक यह कह सकता हूँ कि सब अध्यापक और सारे विद्यार्थी मुझे अपना अफसर न समझकर अपना साथी या मित्र ही समझते।

JSUNIL TUTORIAL